13 hrs.

STATEMENT *RE*:REVISION OF SCALES OF PAY AND ALLOWANCES OF EMPLOYEES OF UNION TERRITORIES

MR. SPEAKER : Regarding the statement by Shri Vidya Charan Shukla, it will be made in the evening. I have postponed it to 7 p. m.

THE DEPUTY MINSTER IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI K. S. RAMASWAMY) I can make the statement just now.

MR. SPEAKER : He can lay it on the Table of the House.

SOME HON. MEMBERS : No, it should be read out.

SHRI K. S. RAMASWAMY ; Sir, on behalf of Shri Shukla I made the following statement. Previously it had been the policy of the Government of India to prescribe scales of pay and allowances in the Union Territories mentioned below and NEFA on the basis of the scales obtaining for corresponding posts in the adjoining States mentioned against them:—

(i)	Himachal Pradesh (exluding Secretariat)	Punjab.
(ii)	Manipur	Assam.
(iii)	Tripura	West Bengal.
(iv)	Pondicherry	Tamil Nadu.
(v)	Dadra and Nagar Haveli	Gujarat.
(vi)	Chandigarh	Punjab.
(vii)	N. E. F. A.	Assam.

The scales of pay and allowances of the employees of the Union Territories of Delhi, Goa, Daman and Diu, Andamans and Nicobar islands and Laccadive, Aminidiol and Minicoy islands were however, based on the Central patterns of pay and allowances. The policy of prescribing scales of pay and allowances for the employees of all the Union Territories and NEFA has been reviewed by the Government and it has now been decided to adopt Central patterns of pay and allowances for the employees of all the Union Territories and NEFA with effect from 6th March 1970.

SOME HON. MEMBERS—*rose.*

MR. SPEAKER : No, questions are allowed on this as per our procedure.

SHRI HEM RAJ (Kangra) : This is a very important matter. The work of Government in Himachal Pradesh is going to come to a stop...

MR. SPEAKER ; I am surprised even a senior and old member like Shri Hem Raj should get up and interrupt like this. I am quite clear that according to the rules, no questions can be put after the statement. I cannot depart from this procedure. But I can accommodate him by allowing a half an hour discussion, if he likes.

श्री प्रेमचन्द वर्मा (हमीरपुर) : अध्यक्ष महोदय, जरा मेरी बात तो आप सुन लीजिये।

MR. SPEAKER ; Otherwise, I will not allow this much also.

श्री प्रेमचन्द वर्मा : मेरा प्वाइंट आफ आर्डर है। मैं यह कहना चाहता हूं कि यह जो स्टेटमेंट है सारे का सारा वह हिमाचल प्रदेश के लोगों को बिलकुल मंजूर नहीं है। यह उन के साथ ज्यादती हो रही कि उनको पंजाब के ग्रेडस नहीं दिये जा रहे है।

श्री हेमराज : तब फिर हम वाक-आउट करते है।

श्री प्रेमचन्द वर्मा : हमारे साथ ज्यादती है। इसलिये मैं भी वाक आउट करता हूं।

Shri Hem Raj and some other Hon. Members then left the House.

MR. SPEAKER : Shri Maharaj Singh Bharati will continue his speech after the lunch recess.

13.04 hrs.

The Lok Sabha adjourned for Lunch till Fourteen of the Clock.

The Lok Sabha re-assembled after Lunch at five minutes past Fourteen of the Clock.

[MR. DEPUTY-SPEAKER *in the Chair*.]

RE: STRIKE IN PATNA UNIVERSITY

MR. DEPUTY-SPEAKER: Now, Shri Maharaj Sing Bharati.

श्री रामावतार शास्त्री (पटना) : मेरा एक निवेदन है। पटना यूनिवर्सिटी बन्द कर दी गई है। वहां के कर्मचारी पिछली पांच तारीख से हडताल पर हैं। बिहार गवर्नमेंट ने कोशिश की है कि उसका कोई रास्ता निकले लेकिन कोई रास्ता अभी तक नहीं निकल सका। मैं प्रार्थना करता हूं कि शिक्षा मंत्री महोदय इस सिलसिले में एक बयान दें और कोशिश करके, हस्तक्षेप करके मामले को तय करें। अगर उन्होंने ऐसा किया तो उनकी मांगों पर विचार हो सकता है और कोई रास्ता निकल सकता है। विद्यार्थियों की पढ़ाई वहां बन्द हो गई है, परीक्षायें बन्द हो गई हैं अगर इस ओर ध्यान न दिया गया तो स्थिति और ज्यादा खराब हो जाएगी, ऐसा खतरा है। मैं चाहता हूं कि शिक्षा मंत्री जी इस बारे में एक स्टेटमेंट सदन में दें।

14.06 hrs.

GENERAL BUDGET 1970-71—GENERAL DISCUSSION—*Contd*.

MR. DEPUTY-SPEAKER : Shri Maharaj Sing Bharati may now continue his spech.

श्री महाराज सिंह भारती (मेरठ): विरोधियों की तरफ से जो दो सज्जन कांग्रेस विरोधी और स्वतंत्र पार्टी की तरफ से बोले है उन्होंने कहा हैं कि इस सरकार ने राजस्व को ज्यादा आंका हैं। मैं नहीं जानता कि किस खयाल से उन्होंने ऐसा कहा हैं। हो सकता है कि राजस्व कम आंका जाता तो ज्यादा टेक्स लगते। लेकिन मेरा इलजाम तो ठीक इसके विपरीत हैं। जब डायरेक्ट और इंडायरेक्ट दोनों प्रकार के टेक्सों की चोरी रोकने की बात सरकार करती हैं और साथ ही साथ बैकलाग को अच्छी तरह से वसूल करने की बात सरकार करती है तो मेरे खयाल से जितना राजस्व आंका गया है, वह कम हैं, इससे ज्यादा राजस्व आएगा और इस तरह से जो कुछ जरूरी चीजों पर टैक्स लगे हैं वे घटाये जा सकते थे।

सरकार विरोधी कांग्रेस के नेता ने जो बजट की नुक्ताचीनी की हैं उस में उन्होंने कहा है कि उन्हें पुराने बजटों में और इस नए बजट में कोई मौलिक अन्तर नजर नहीं आता। अगर सचमुच दोनों कांग्रेसों को कोई अन्तर नजर नहीं आता तो फिर कुर्सी के झगड़े में वह विरोध में क्यों आ कर बैठ गए हैं ? आराम के साथ उनको उधर चले जाना चाहिये। ऐसा करके कम से कम हमारे हिस्से का जो समय वे ले जाते हैं, वह तो बच सकता है। प्रधान मंत्री से भी मैं कहूंगा कि कोई मौलिक अन्तर नहीं है तो पुचकार कर उनको वह वापिस बुला ले, इस में कोई बुरी बात नहीं है।

स्वतंत्र पार्टी के नेता श्री मसानी ने इस बजट के सिलसिले में कई तरह कि बातें कहीं। लेकिन आखिर में यह कहा कि यह बजट स्टेट कैपिटलिज्म का बजट हैं। अगर यह मामूली छोटा बजट कम्युनिज्म का बजट हो गया तो कल को अगर कोई सचमुच समाजवादी बजट आ गया तो मसानी साहाब क्या करेंगे। मैं आशा नहीं करता था मसानी साहाब जैसे आदमी से कि इतने छोटे से बजट को देख कर वह दुनिया के एक महान लैनिन जैसे आदमी को नीचे स्तर पर उतर कर गाली देंगे। अगर कल को कोई समाजवादी बजट आ गया तो फिर वह क्या करेंगे ? क्या अपने कपड़े फाड़ेंगे, आगरे जायेंगे, क्या करेंगे ? यह आशा उनसे नहीं की जा सकती थी। जब कोई योगी भ्रष्ट होता है तो वह गृहस्थियों से बहुत घटिया साबित होता है। इसी तरह से जब कोई समाजवादी भ्रष्ट